दैनिक नवीन कदम
रायगढ़ - आसपास
6
रायगढ़, रविवार 20 दिसंबर 2020

जेएसपीएल फाउण्डेशन, जेपीएल तमनार का 'मशरूम उत्पादन' आय अर्जन का एक सशक्त माध्यम

क्षेत्रीय ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक सशक्तिकरण की ओर, जिला रायगढ़, जशपुर कोरबा, बिलासपुर, सरगुजा के साथ उड़ीसा को बीज की आपूर्ति







तमनार। जेएसपीएल फाउण्डेशन, जेपीएल तमनार द्वारा अपने बहुउद्देश्यीय स्वावलम्बन परियोजना अंतर्गत क्षेत्रीय ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए 'मशरूम उत्पादन परियोजना' का संचालन कर रही है। जिसके माध्यम से क्षेत्र में निवासरत ग्रामीण महिलाओं के स्थाई विकास एवं सामाजिक, आर्थिक उन्नयन सुनिश्चित कर महिला सशक्किकरण को एक नई आयाम दी जा सके। आज तमनारांचल की ये महिलाएँ 'मशरूम उत्पादन' गतिविधी में संलग्न होकर पर्याप्त आयअर्जन सुनिश्चित कर, अपने व परिवार के साथ विकास की ओर अग्रसर हैं। जेएसपीएल फाउण्डेशन, तमनार की मशरूम उत्पादन परियोजना से न केवल रायगढ़ बल्कि जशपुर, सरगुजा, कोरबा व बिलासपुर जिला भी लाभान्वित हो रही है। वहीं विभिन्न जिलों के प्रतिष्ठित व्यावसायिक कंपनियां हिण्डालको, अम्बुजा फाउण्डेशन, शिखर युवा मंच बिलरसपुर, कोरबा वेस्ट, विजय लक्ष्मी समाज कल्याण समिति रायगढ़, आयुश शिक्षा समिति जैसे एनजीओज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के 887 प्रशिक्षुओं ने मशरूम संसाधन केन्द्र, तमनार से प्रशिक्षण प्राप्त कर मशरूम उत्पादन को अपने आजिविका का माध्यम बना लिये हैं। सत्र 2014 से प्रारंभ 'मशरूम उत्पादन परियोजना' से जुडकर परिश्रमी महिलाओं द्वारा आज पर्यंत लगभग 83.43 हजार किलोग्राम मशरूम उत्पादन कर 11.80 करोड़ रूपये की मशरूम विक्रय कर चुकी हैं। वहीं जेएसपीएल फाउण्डेशन, तमनार के मशरूम संसाधन केन्द्र, तमनार में स्थापित 'मशरूम बीज निर्माण ईकाई' जो कि ग्रामीण किसानों का समूह ''तमनार मशरूम समहित समूह'' के देखरेख में संचालित छत्तीसगढ़ राज्य की आधुनिक एवं सर्व सुविधायुक्त बीज निर्माण ईकाई है, जहाँ प्रतिदिन 400 पैकेट मशरूम बीज का निर्माण किया जा रहा है। जिसे जशपुर, सरगुजा, कोरबा व बिलासपुर जिलों के साथ उड़ीसा के विभिन्न जिलों में आपूर्ति की जा रही है। जिसमें अभी तक 1.22 लाख पैकेट मशरूम बीज निर्माण व उसका विक्रय कर 22.58 रूपये की धनराशि अर्जित की गई आज जेएसपीएल फाउण्डेशन, जेपीएल तमनार की इस बहुउद्देश्यीय परियोजना क्षेत्र के लिए आयअर्जन का अनुठी व एक सशक्तविकल्प के रूप में सथापित हो चुकी है। तमनार क्षेत्र की इन महिलाओं ने सिद्ध कर दिखाया कि 'कुछ कर गुजरने की चाह व हौसले बुलंद हो तो, कठिन से कठिन कार्य भी आसान हो जाता है।' स्व सहायता समूह से जुड़ी ये महिलायें मशरूम उत्पादन कर अपने व परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही हैं। इन्होनें यह सिद्ध कर दिखाया कि मशरूम उत्पादन आयअर्जन का एक सशक्त माध्यम है, जहाँ थोड़ी मेहनत व लगन से अत्यधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। ग्राम डोलेसरा की श्रीमती किरण पटेल कहती है कि- मैं कभी सोची भी नहीं थी कि मशरूम उत्पादन मेरे जीवन में नई दिशा लेकर आयेगी। इससे पहले मैं गृह कार्य निपटाने में ही अपना दिन व्यतीत करती थी। पिछले महीने मैंनें 01 क्विंटल मशरूम उत्पादन कर 20000 रूपये आय अर्जित की। जिससे मेरे परिवार को धान की खेती के अतिरिक्त लाभ हो रहा है। आज तमनार क्षेत्र के 07 स्व सहायता समूह की 80से अधिक महिलाएँ एवं व्यक्तिगत रूप से 500 महिलाएँ एवं किसान मशरूम उत्पादन गतिविधि में संलग्न होकर अपने व परिवार की आर्थिक उन्नयन करने में सफल हो रहे हैं।

मशरूम उत्पादन ही क्यों- मशरूम सर्वाधिक पसंद की जाने वाली एक सर्वाधिक प्रोटीनयुक्त पौष्टिक सब्जी है। तमनार क्षेत्र का वातावरण जहाँ पर्याप्त वर्षा एवं आर्द्रता है, जो कि मशरूम उत्पादन के लिए उपयुक्त है। उच्च तकनीक युक्त स्पॉन लैब की उपलब्धता- क्षेत्र में मशरूम की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं मशरूम उत्पादन की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक सर्वसुविधासयुक्त 'मशरूम बीज प्रशंस्करण केन्द्र' की स्थापना की गई है। जहाँ प्रत्येक दिन प्रशिक्षित ग्रामीणों द्वारा 400 से 500 पैकेट 'स्पान' विकसित किया जा रहा है। जिसके कारण आज क्षेत्र के किसानों एवं समूह की महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण 'स्पान' सही समय पर आसानी से उपलब्ध हो रहीं है, जो कभी इसकी आपूर्ति के लिए उड़ीसा के पूरी शहर पर पूर्णत: आश्रित थे। जेपीएल तमनार की स्वावलम्बन परियोजना- सीएसआर जेपीएल ग्रामीण महिलाओं को स्व सहायता समूह के माध्यम से संगठित कर उनके विकास एवं आर्थिक उन्नयन सुनिश्चित करने व उन्हें उद्यमिता की ओर अग्रसर करने के लिए ''स्वालम्बन परियोजना'' का संचालन कर रही है।

मशरूम उत्पादन आर्थिक व स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से बेहद लाभ अर्जित करने वाला एवं उपयोगी व्यवसाय है। यदि कृषि के अन्य कार्य की तुलना में इसमें पर्याप्त समय देने के साथ उपयुक्त बाजार उपलब्ध हो तो यह बहुत ही ज्यादा लाभकारी व्यवसाय है। इस परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को उद्यमी एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण व कार्यशाला, विभिन्न आय अर्जन गतिविधियों से संबंधित तकनीकि जानकारी के साथ संसाधन व्यक्ति की उपलब्ध कराती है। मशरूम उत्पादन व शेड तथा उत्पादन सामग्री के लिए महिला समूहों को आर्थिक मदद भी प्रदान की गई। वहीं सीएसआर जेपीएल द्वारा सभी ग्रामों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई जिससे कि मशरूम उत्पादन के बारिकियों को अच्छी तरह समझा जा सके। आज प्रतिदिन 70-80 किग्रा मशरूम का उत्पादन किया जा रहा है। जिसकी खपत क्षेत्रीय बाजार में ही की जा रही है।